Exo

Chapter 37

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

וְאַמָּה	אָרְכּוֹ	וְחֵצִי	אַמֹּתַיִם	שִׁטִּים	עֲצֵי	הָאָרֹן	אֵת־	בְּצַלְאֵל	וַיַּעַשׂ	1
और-हाथ	उसकी-लम्बाई	और-आधा	दो-हाथ	कीकर-की	लकड़ी	सन्दूक	को	बसलेल-ने	और-बनाया	
	H0753	H2677		H7848	H6086	H0727	H0853	H1212		

קֹמָתוֹ׃	וְחֵצִי	וְאַמָּה	רָחְבּוֹ	וְחֵצִי	
उसकी-ऊँचाई	और-आधा	और-हाथ	उसकी-चौड़ाई	और-आधा	
H6967	H2677		H7341	H2677	

बसलेल ने बबूल की लकड़ी का पवित्र सन्दूक बनाया। सन्दूक पैतालिस इंच लम्बा, सत्ताईस इंच चौड़ा और सत्ताईस इंच ऊँचा था।

סָבִיב׃	זָהָב	זֵר	לוֹ	וַיַּעַשׂ	וּמִחוּץ	מִבַּיִת	טָהוֹר	זָהָב	וַיְצַפֵּהוּ	2
चारों-ओर	सोने-का	किनारा	उसके-लिए	और-बनाया	और-बाहर-से	अन्दर-से	शुद्ध	सोने-से	और-मढ़ा-उसे	
H5439	H2091	H2213			H2351		H2889	H2091	H6823	

उसने सन्दूक के भीतरी और बाहर भाग को शुद्ध सोने से मढ़ दिया। तब उसने सोने की पट्टी सन्दूक के चारों ओर लगाई।

עַל־	טַבָּעֹת	וּשְׁתֵּי	פַּעֲמֹתָיו	אַרְבַּע	עַל	זָהָב	טַבָּעֹת	אַרְבַּע	לוֹ	וַיִּצֹק	3
पर	कड़े	और-दो	उसके-पैरों	चार	पर	सोने-के	कड़े	चार	उसके-लिए	और-ढाला	
	H2885	H8147	H6471	H0702		H2091	H2885	H0702		H3332	

הַשֵּׁנִית׃	צַלְעוֹ	עַל־	טַבָּעוֹת	וּשְׁתֵּי	הָאֶחָת	צַלְעוֹ
दूसरी	उसकी-पसली	पर	कड़े	और-दो	एक	उसकी-पसली
H8145	H6763		H2885	H8147	H0259	H6763

फिर उसने सोने के चार कड़े बनाए और उन्हें नीचे के चारों कोनों पर लगाया। ये कड़े सन्दूक को ले जाने के लिए उपयोग में आते थे। दोनों तरफ दो—दो कड़े थे।

זָהָב׃	אֹתָם	וַיִּצֹק	שִׁטִּים	עֲצֵי	בַּדֵּי	וַיַּעַשׂ
सोने-से	उन्हें	और-मढ़ा	कीकर-के	लकड़ी	डंडे	और-बनाया
H2091	H0853	H6823	H7848	H6086	H0905	

तब उसने सन्दूक ले चलने के लिये बल्लियों को बनाया। बल्लियों के लिये उसने बबूल की लकड़ी का उपयोग किया और बल्लियों को शुद्ध सोने से मढ़ा।

הָאָרֹן׃	אֵת־	לָשֵׂאת	הָאָרֹן	צַלְעֹת	עַל	בַּטַּבָּעֹת	הַבַּדִּים	אֵת־	וַיָּבֵא	5
सन्दूक	को	उठाने-को	सन्दूक-की	पसलियों	पर	कड़ों-में	डंडों	को	और-डाला	
H0727	H0853	H5375	H0727	H6763		H2885	H0905	H0853	H0935	

उसने सन्दूक के हर एक सिरे पर बने कड़ों में बल्लियों को डाला।

רָחְבָּהּ׃	וְחֵצִי	וְאַמָּה	אָרְכָּהּ	וְחֵצִי	אַמֹּתַיִם	טָהוֹר	זָהָב	כַּפֹּרֶת	וַיַּעַשׂ	6
उसकी-चौड़ाई	और-आधा	और-हाथ	उसकी-लम्बाई	और-आधा	दो-हाथ	शुद्ध	सोने-का	प्रायश्चित्त	और-बनाया	
H7341	H2677		H0753	H2677		H2889	H2091	H3727		

तब उसने शुद्ध सोने से ढक्कन को बनाया। ये ढाई हाथ लम्बा तथा डेढ़ हाथ चौड़ा था।

הַכַּפֹּרֶת׃	קְצוֹת	מִשְּׁנֵי	אֹתָם	עָשָׂה	מִקְשָׁה	זָהָב	כְּרֻבִים	שְׁנֵי	וַיַּעַשׂ	7
प्रायश्चित्त-के	सिरों	दोनों	उन्हें	बनाया	गढ़ाई-कारीगरी-से	सोने-के	करूब	दो	और-बनाया	
H3727	H7098	H8147	H0853		H4749	H2091	H3742	H8147		

तब बसलेल ने सोने को पीट कर दो करूब बनाए। उसने ढक्कन के दोनों छोरो पर करूब लगाये।

8

כְּרוּב־	אֶחָד	מִקָּצָה	מִזֶּה	וּכְרוּב־	אֶחָד	מִקָּצָה	מִזֶּה	מִן־	הַכַּפֹּרֶת	עָשָׂה	אֶת־	הַכְּרֻבִים	מִשְּׁנֵי	[קצוותו]	(קְצוֹתָיו׃)
करूब	एक	सिरे-पर	इस-ओर	और-करूब	एक	सिरे-पर	उस-ओर	से	प्रायश्चित्त	बनाया	को	करूबों	दोनों	सिरों-से	उसके
H3742	H0259	H7098	H2088	H3742	H0259	H7098	H2088		H3727		H0853	H3742	H8147	H7117	H7098

उसने एक करूब को एक ओर तथा दूसरे को दूसरी ओर लगाया। करूब को ढक्कन से एक बनाने के लिये जोड़ दिया गया।

9

וַיִּהְיוּ	הַכְּרֻבִים	פֹּרְשֵׂי	כְנָפַיִם	לְמַעְלָה	סֹכְכִים	בְּכַנְפֵיהֶם	עַל־	הַכַּפֹּרֶת	וּפְנֵיהֶם	אִישׁ	אֶל־	אָחִיו	אֶל־	הַכַּפֹּרֶת	הָיוּ	פְּנֵי	הַכְּרֻבִים׃	פ
और-थे	करूब	फैलानेवाले	पंखों	ऊपर-को	ढाँपनेवाले	अपने-पंखों-से	पर	प्रायश्चित्त	और-उनके-मुख	एक	की-ओर	दूसरे-के	की-ओर	प्रायश्चित्त	थे	मुख	करूबों-के	—
H1961	H3742	H6566	H3671	H4605		H3671		H3727	H6440	H0376	H0413	H0251	H0413	H3727	H1961	H6440	H3742	

करूबों के पंख आकाश की ओर उठा दिए गए। करूबों ने सन्दूक को अपने पंखों से ढक लिया। करूबों एक दूसरे के सामने ढक्कन को देख रहे थे।

10

וַיַּעַשׂ	אֶת־	הַשֻּׁלְחָן	עֲצֵי	שִׁטִּים	אַמָּתַיִם	אָרְכּוֹ	וְאַמָּה	רָחְבּוֹ	וְאַמָּה	וָחֵצִי	קֹמָתוֹ׃
और-बनाया	को	मेज	लकड़ी	कीकर-की	दो-हाथ	उसकी-लम्बाई	और-हाथ	उसकी-चौड़ाई	और-हाथ	और-आधा	उसकी-ऊँचाई
	H0853	H7979	H6086	H7848		H0753		H7341		H2677	H6967

तब बसलेल ने बबूल की लकड़ी की मेज बनाई। मेज़ छत्तीस इंच लम्बी, अट्ठारह इंच चौड़ी और सत्ताईस इंच ऊँची थी।

11

וַיְצַף	אֹתוֹ	זָהָב	טָהוֹר	וַיַּעַשׂ	לוֹ	זֵר	זָהָב	סָבִיב׃
और-मढ़ा	उसे	सोने-से	शुद्ध	और-बनाया	उसके-लिए	किनारा	सोने-का	चारों-ओर
H6823	H0853	H2091	H2889			H2213	H2091	H5439

उसने मेज को शुद्ध सोने से मढ़ा। उसने सोने की सजावट मेज के चारों ओर की।

12

וַיַּעַשׂ	לוֹ	מִסְגֶּרֶת	טֹפַח	סָבִיב	וַיַּעַשׂ	זֵר־	זָהָב	לְמִסְגַּרְתּוֹ	סָבִיב׃
और-बनाया	उसके-लिए	चौखटा	चप्पा-भर	चारों-ओर	और-बनाया	किनारा	सोने-का	उसके-चौखटे-के-लिए	चारों-ओर
		H4526	H2948	H5439		H2213	H2091	H4526	H5439

तब उसने मेज के चारों ओर एक किनारे बनायी। यह किनारे लगभग तीन इंच चौड़ी थी। उसने किनारे पर सोने की झालर लगाई।

13

וַיִּצֹק	לוֹ	אַרְבַּע	טַבְּעֹת	זָהָב	וַיִּתֵּן	אֶת־	הַטַּבָּעֹת	עַל	אַרְבַּע	הַפֵּאֹת	אֲשֶׁר	לְאַרְבַּע	רַגְלָיו׃
और-ढाला	उसके-लिए	चार	कड़े	सोने-के	और-रखा	को	कड़ों	पर	चार	कोनों	जो	चारों-के-लिए	उसके-पैरों
H3332		H0702	H2885	H2091	H5414	H0853	H2885		H0702	H6285		H0702	H7272

तब उसने मेज के लिये चार सोने के कड़े बनाए। उसने नीचे के चारों कोनों पर सोने के चार कड़े लगाए। ये वहीं—वहीं थे जहाँ चार पैर थे।

14

לְעֻמַּת	הַמִּסְגֶּרֶת	הָיוּ	הַטַּבָּעֹת	בָּתִּים	לַבַּדִּים	לָשֵׂאת	אֶת־	הַשֻּׁלְחָן׃
सामने	चौखटे-के	थे	कड़े	घर	डंडों-के-लिए	उठाने-को	को	मेज
H5980	H4526	H1961	H2885		H0905	H5375	H0853	H7979

कड़े किनारी के समीप थे। कड़ों में वे बल्लियाँ थीं जो मेज को ले जाने में काम आती थीं।

15	וַיַּעַשׂ	אֶת־	הַבַּדִּים	עֲצֵי	שִׁטִּים	וַיְצַף	אֹתָם	זָהָב	לָשֵׂאת	אֶת־	הַשֻּׁלְחָן׃
	और-बनाया	को	डंडे	लकड़ी	कीकर-के	और-मढ़ा	उन्हें	सोने-से	उठाने-को	को	मेज
		H0853	H0905	H6086	H7848	H6823	H0853	H2091	H5375	H0853	H7979

तब उसने मेज को ले जाने के लिये बल्लियाँ बनाईं। बल्लियों के लिये उसने बबूल की लकड़ी का उपयोग किया और उन को शुद्ध सोने से मढ़ा।

16	וַיַּעַשׂ	אֶת־	הַכֵּלִים	אֲשֶׁר	עַל־	הַשֻּׁלְחָן	אֶת־	קְעָרֹתָיו	וְאֶת־	כַּפֹּתָיו	וְאֵת
	और-बनाया	को	बर्तन	जो	पर	मेज	को	उसकी-थालियाँ	और-को	उसके-कटोरे	और
		H0853	H3627			H7979	H0853	H7086	H0853	H3709	H0853

מְנַקִּיֹּתָיו	וְאֶת־	הַקְּשָׂוֺת	אֲשֶׁר	יֻסַּךְ	בָּהֵן	זָהָב	טָהוֹר׃	פ
उसकी-कटोरियाँ	और-को	उसके-जग	जिनसे	उंडेला-जाए	उनसे	सोना	शुद्ध	—
H4518	H0853	H7184			H2004	H2091	H2889	

तब उसने उन चीज़ों को बनाया जो मेज पर काम आती थीं। उसने तश्तरी, चम्मच, परात और पेय भेंटों के लिये उपयोग में आने वाले घड़े बनाए। ये सभी चीज़ें शुद्ध सोने से बनाई गईं थीं।

17	וַיַּעַשׂ	אֶת־	הַמְּנֹרָה	זָהָב	טָהוֹר	מִקְשָׁה	עָשָׂה	אֶת־	הַמְּנֹרָה	יְרֵכָהּ
	और-बनाया	को	दीवट	सोने-का	शुद्ध	गढ़ाई-कारीगरी-से	बनाया	को	दीवट	उसकी-जाँघ
		H0853	H4501	H2091	H2889	H4749		H0853	H4501	H3409

וְקָנָהּ	גְּבִיעֶיהָ	כַּפְתֹּרֶיהָ	וּפְרָחֶיהָ	מִמֶּנָּה	הָיוּ׃
और-उसका-डंडा	उसके-कटोरे	उसकी-गाँठें	और-उसके-फूल	उससे	थे
H7070	H1375	H3730	H6525		H1961

तब उसने दीपाधार बनाया। इसके लिये उसने शुद्ध सोने का उपयोग किया और उसे पीट कर आधार तथा उसके डंडे को बनाया। तब उसने फूलों के समान दिखने वाले प्याले बनाए। प्यालों के साथ कलियाँ और खिले हुए पुष्प थे। हर एक चीज़ शुद्ध सोने की बनी थी। ये सभी चीजें एक ही इकाई बनाने के रूप में परस्पर जुड़ी थी।

18	וְשִׁשָּׁה	קָנִים	יֹצְאִים	מִצִּדֶּיהָ	שְׁלֹשָׁה	קְנֵי	מְנֹרָה	מִצִּדָּהּ	הָאֶחָד
	और-छह	डालियाँ	निकलती-थीं	उसकी-पसलियों-से	तीन	डालियाँ	दीवट-की	उसकी-पसली-से	एक
	H8337	H7070	H3318	H6654	H7969	H7070	H4501	H6654	H0259

וּשְׁלֹשָׁה	קְנֵי	מְנֹרָה	מִצִּדָּהּ	הַשֵּׁנִי׃
और-तीन	डालियाँ	दीवट-की	उसकी-पसली-से	दूसरी
H7969	H7070	H4501	H6654	H8145

दीपाधार के दोनों ओर छः शाखाएं थी। एक ओर तीन शाखाएं थी तथा तीन शाखाएं दूसरी ओर।

19	שְׁלֹשָׁה	גְבִעִים	מְשֻׁקָּדִים	בַּקָּנֶה	הָאֶחָד	כַּפְתֹּר	וָפֶרַח	וּשְׁלֹשָׁה	גְבִעִים	מְשֻׁקָּדִים
	तीन	कटोरे	बादाम-आकार-के	डाली-में	एक	गाँठ	और-फूल	और-तीन	कटोरे	बादाम-आकार-के
	H7969	H1375	H8246	H7070	H0259	H3730	H6525	H7969	H1375	H8246

בְּקָנֶה	אֶחָד	כַּפְתֹּר	וָפָרַח	כֵּן	לְשֵׁשֶׁת	הַקָּנִים	הַיֹּצְאִים	מִן־	הַמְּנֹרָה׃
डाली-में	एक	गाँठ	और-फूल	ऐसे	छहों-के-लिए	डालियों	निकलनेवाली	से	दीवट
H7070	H0259	H3730	H6525		H8337	H7070	H3318		H4501

हर एक शाखा पर सोने के तीन फूल थे। ये फूल बादाम के फूल के आकार के बने थे। उनमें कलियाँ और पंखुडियाँ थीं।

20	וּבַמְּנֹרָה	אַרְבָּעָה	גְבִעִים	מְשֻׁקָּדִים	כַּפְתֹּרֶיהָ	וּפְרָחֶיהָ׃
	और-दीवट-में	चार	कटोरे	बादाम-आकार-के	उसकी-गाँठें	और-उसके-फूल
	H4501	H0702	H1375	H8246	H3730	H6525

दीपाधार की डंडी पर सोने के चार फूल थे। वे भी कली और पंखुडियों सहित बादाम के फूल के आकार के बने थे।

21	וְכַפְתֹּר	תַּחַת	שְׁנֵי	הַקָּנִים	מִמֶּנָּה	וְכַפְתֹּר	תַּחַת	שְׁנֵי	הַקָּנִים	מִמֶּנָּה	וְכַפְתֹּר	תַּחַת־
	और-गाँठ	नीचे	दो	डालियों-के	उससे	और-गाँठ	नीचे	दो	डालियों-के	उससे	और-गाँठ	नीचे
	H3730	H8478	H8147	H7070		H3730	H8478	H8147	H7070		H3730	H8478

שְׁנֵי	הַקָּנִים	מִמֶּנָּה	לְשֵׁשֶׁת	הַקָּנִים	הַיֹּצְאִים	מִמֶּנָּה׃
दो	डालियों-के	उससे	छहों-के-लिए	डालियों	निकलनेवाली	उससे
H8147	H7070		H8337	H7070	H3318	

छः शाखाएं दो—दो करके तीन भागों में थीं। हर एक भाग की शाखाओं के नीचे एक कली थी।

22

כַּפְתֹּרֵיהֶם	וּקְנֹתָם	מִמֶּנָּה	הָיוּ	כֻּלָּהּ	מִקְשָׁה	אַחַת	זָהָב	טָהוֹר׃
उनकी-गाँठें	और-उनकी-डालियाँ	उससे	थीं	पूरी	गढ़ाई-कारीगरी	एक	सोना	शुद्ध
H3730	H7070		H1961	H3605	H4749	H0259	H2091	H2889

ये सभी कलियां, शाखाएं और दीपाधार शुद्ध सोने के बने थे। इस सारे सोने को पीट कर एक ही में मिला दिया गया था।

23

וַיַּעַשׂ	אֶת־	נֵרֹתֶיהָ	שִׁבְעָה	וּמַלְקָחֶיהָ	וּמַחְתֹּתֶיהָ	זָהָב	טָהוֹר׃
और-बनाया	को	उसके-दीपक	सात	और-उसकी-चिमटियाँ	और-उसकी-गुलदानियाँ	सोना	शुद्ध
	H0853		H7651	H4457	H4289	H2091	H2889

उसने इस दीपाधार के लिये सात दीपक बनाए तब उसने तश्तरियाँ और चिमटे बनाए। हर एक वस्तु को शुद्ध सोने से बनाया।

24

כִּכָּר	זָהָב	טָהוֹר	עָשָׂה	אֹתָהּ	וְאֵת	כָּל־	כֵּלֶיהָ׃	פ
किक्कार	सोने-का	शुद्ध	बनाया	उसे	और	सब	उसके-बर्तन	—
H3603	H2091	H2889		H0853	H0853	H3605	H3627	

उसने लगभग पचहत्तर पौंड शुद्ध सोना दीपाधार और उसके उपकरणों को बनाने में लगाया।

25

וַיַּעַשׂ	אֶת־	מִזְבַּח	הַקְּטֹרֶת	עֲצֵי	שִׁטִּים	אַמָּה	אָרְכּוֹ	וְאַמָּה	רָחְבּוֹ	רָבוּעַ	וְאַמָּתַיִם	קֹמָתוֹ	מִמֶּנּוּ	הָיוּ	קַרְנֹתָיו׃
और-बनाया	को	वेदी	धूप-की	लकड़ी	कीकर-की	हाथ	उसकी-लम्बाई	और-हाथ	उसकी-चौड़ाई	चौकोर	और-दो-हाथ	उसकी-ऊँचाई	उससे	थे	उसके-सींग
	H0853	H4196	H7004	H6086	H7848		H0753		H7341	H7251		H6967		H1961	

तब उसने धूप जलाने की एक वेदी बनाई। उसने इसे बबूल की लकड़ी का बनाया। वेदी वर्गाकार थी। यह अट्ठारह इंच लम्बी, अट्ठारह इंच चौड़ी और छत्तीस इंच ऊँची थी। वेदी पर चार सींग बनाए गए थे। हर एक कोने पर एक सींग बना था। ये सींगे वेदी के साथ एक इकाई बनाने के लिये जोड़ दिए गए थे।

26

וַיְצַף	אֹתוֹ	זָהָב	טָהוֹר	אֶת־	גַּגּוֹ	וְאֶת־	קִירֹתָיו	סָבִיב	וְאֶת־	קַרְנֹתָיו	וַיַּעַשׂ	לוֹ	זֵר	זָהָב	סָבִיב׃
और-मढ़ा	उसे	सोने-से	शुद्ध	को	उसकी-छत	और-को	उसकी-दीवारें	चारों-ओर	और-को	उसके-सींग	और-बनाया	उसके-लिए	किनारा	सोने-का	चारों-ओर
H6823	H0853	H2091	H2889	H0853	H1406	H0853	H7023	H5439	H0853				H2213	H2091	H5439

उसने सिरे, सभी बाजुओं और सींगो को शुद्ध सोने के पतरे से मढ़ा। तब उसने वेदी के चारों ओर सोने की झालर लगाई।

27

וּשְׁתֵּי	טַבְּעֹת	זָהָב	עָשָׂה־	לוֹ	מִתַּחַת	לְזֵרוֹ	עַל	שְׁתֵּי	צַלְעֹתָיו	עַל	שְׁנֵי	צִדָּיו	לְבָתִּים	לְבַדִּים	לָשֵׂאת	אֹתוֹ	בָּהֶם׃
और-दो	कड़े	सोने-के	बनाया	उसके-लिए	नीचे	उसके-किनारे-के	पर	दो	उसकी-पसलियों	पर	दो	उसकी-दिशाओं	घरों-के-लिए	डंडों-के-लिए	उठाने-को	उसे	उनसे
H8147	H2885	H2091			H8478	H2213		H8147	H6763		H8147	H6654		H0905	H5375	H0853	

उसने सोने के दो कड़े वेदी के लिये बनाए। उसने सोने के कड़ों को वेदी के हर ओर की झालर से नीचे रखा। इन कड़ों में वेदी के हर ओर की झालर से नीचे रखा। इन कड़ों में वेदी को ले जाने के लिये बल्लियाँ डाली जाती थीं।

28

וַיַּעַשׂ	אֶת־	הַבַּדִּים	עֲצֵי	שִׁטִּים	וַיְצַף	אֹתָם	זָהָב׃
और-बनाया	को	डंडे	लकड़ी	कीकर-के	और-मढ़ा	उन्हें	सोने-से
	H0853	H0905	H6086	H7848	H6823	H0853	H2091

तब उसने बबूल की लकड़ी की बल्लियाँ बनाईं और उन्हें सोने से मढ़ा।

מַעֲשֵׂה	טָהֹור	הַסַּמִּים	קְטֹרֶת	וְאֶת־	קֹדֶשׁ	הַמִּשְׁחָה׃	שֶׁמֶן	אֶת־	וַיַּעַשׂ	29
कारीगरी	शुद्ध	सुगंधित-का	धूप	और-को	पवित्र	अभिषेक-का	तेल	को	और-बनाया	
H4639	H2889	H5561	H7004	H0853	H6944		H8081	H0853		

רֹקֵחַ׃	פ
इत्र-बनानेवाले-की	—
H7543	

> तब उसने अभिषेक का पवित्र तेल बनाया। उसने शुद्ध सुगन्धित धूप भी बनाई। ये चीज़ें उसी प्रकार बनाई गई जिस प्रकार कोई निपुण बनाता हैं।